न्यूज डायरी

चीन ने जासूसी के आरोप में बंद दो कनाडाई नागरिकों को किया रिहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोरंटो। चीन ने जासूसी के आरोप में बंद दो कनाडाई नागरिकों को रिहा कर दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एलान किया कि कनाडा के नागरिक माइकल कोवरिग और माइकल स्पैवर को रिहा कर दिए गया है और वो घर वापस आ गए हैं। चीन ने लगभग तीन साल पहले दोनों नागरिकों को चीन में गिरफ्तार किया गया था। चीन ने कनाडाई नागरिकों को छोड़ने का फैसला हुवावै की एक शीर्ष कार्यकारी अधिकारी का अमेरिका के न्याय विभाग के साथ हुए समझौता के बाद किया, जिसमें उन पर लगे आपराधिक आरोपों का समाधान निकाल लिया गया है। हुआवेई के मुख्य वित्तीय अधिकारी और कंपनी के संस्थापक की बेटी मेंग वानझोउ को अमेरिका के अनुरोध पर गिरफ्तार किया गया था। मेंग को दिसंबर 2018 में वैंकूवर हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किया गया था।

18 महीने बाद मिली मास्क से आजादी, नियमों को तोड़ने पर लगेगा जुर्माना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात में वैक्सिनेशन के आंकड़े पूरी दुनिया में सबसे बेहतर हैं। सिंगल डोज के मामले में देश पहले स्थान पर है। बीते बुधवार को देश में लंबे समय के बाद मास्क नियमों में राहत दी गई। कोरोना से बचाव में मास्क सबसे मूलभूत सुरक्षा है। करीब 18 महीनों के बाद यूएई को अब मास्क से राहत मिली है। हालांकि सिर्फ कुछ जगहों पर ही मास्क पहनना अनिवार्य नहीं होगा। लेकिन यह संकेत है कि देश अब पुराने दिनों की ओर वापसी कर रहा है। अधिकारियों ने छह सार्वजनिक जगहों को चिन्हित किया है जहां मास्क पहनने पर छूट मिलेगी। सार्वजनिक जगहों पर मास्क पहनकर व्यायाम करते समय, निजी वाहनों में यात्रा करते समय, स्विमिंग पूल और समुद्र के किनारे, बंद जगहों पर अकेले रहते समय, सैलून और ब्यूटी सेंटर्स पर और मेडिकल सेंटर्स पर अब मास्क पहनना अनिवार्य नहीं होगा। सनद रहे कि यूएई में अन्य सभी सार्वजनिक जगहों पर अभी भी मास्क पहनना अनिवार्य है।

लाखों साल से जिंदा हैं ये जीव, अकेले पैदा करते हैं बच्चे, सुलझी गुत्थी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। घुन की प्रजाति के एक बेहद छोटे से कीड़े ने वैज्ञानिकों को एक बड़ी गुत्थी सुलझाने में मदद की है। इस कीड़े का आकार एक मिलीमीटर के पांचवें हिस्से के बराबर है। कीड़े की मदद से वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि कुछ जीव लंबे समय तक यौन संबंध बनाए बिना भी जीवित रह सकते हैं। यह खोज व्चचपमससं दवअं नाम की मादा प्रजाति से संबंधित है। इस प्रजाति से जुड़ी खोज को वैज्ञानिकों ने 'Ancient AseÛual Scandal' नाम दिया है। कोलोन और गॉटिंगेन विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने पाया है कि ओपिएला नोवा बीटल माइट बिना संभोग किए हजारों और शायद लाखों सालों तक जीवित रह सकते हैं। इन जीवों को सेक्स की जरूरत इसलिए नहीं पड़ती क्योंकि ये अलैंगिक रूप से प्रजनन करते हैं। अलैंगिक प्रजनन एक ऐसी प्रक्रिया होती है जिसमें सेक्स सेल्स का एक दूसरे से मिलन नहीं होता।

तालिबान के कब्जे ने अमेरिका, पाक के बीच परस्पर अविश्वास को और गहरा किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे ने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच परस्पर अविश्वास को और गहरा कर दिया है। दोनों तथाकथित सहयोगी देश अफगानिस्तान के मुद्दे पर उलझन की स्थिति में हैं, लेकिन दोनों पक्षों को एक–दूसरे की जरूरत है। दो दशकों से अधिक समय तक चले युद्ध में, अमेरिकी अधिकारियों ने पाकिस्तान पर दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक एक ओर जहां पाकिस्तान ने आतंकवाद से लड़ने और अमेरिका से सहयोग करने का वादा किया, वहीं दूसरी ओर उसने तालिबान और अन्य चरमपंथी समूहों को पनपने में मदद की, जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों पर हमले किये। वहीं, पाकिस्तान अमेरिकी सैन्य सहायता और वाशिंगटन के साथ अच्छे संबंध चाहता है, जबकि उसके नेता तालिबान के सत्ता में आने का जश्न मना रहे हैं।

यूएन में पाक पीएम इमरान खान ने फिर अलापा कश्मीर राग

मंसूबे फेल

इमरान खान के दूत ने कराई किरकिरी, अमेरिका को ही सुनाई खरी–खरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर को लेकर इमरान खान का दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए संबोधन में अपने देश को अमेरिकी कृतनता का और अंतरराष्ट्रीय दोहरेपन का पीड़ित दिखाने की कोशिश की। इमरान खान का पूर्व रिकॉर्डेड भाषण शुक्रवार शाम को प्रसारित किया गया जिसमें उन्होंने जलवायु परिवर्तन, वैश्विक इस्लामोफोबिया और "भ्रष्ट विशिष्ट वर्गों द्वारा विकासशील देशों की लूट" जैसे कई विषयों पर बात की। अपनी अंतिम बात को उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत के साथ किए गए बर्ताव से जोड़ कर समझाने की कोशिश की।

खान ने भारत सरकार के लिए कठोर शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 'हिंदू राष्ट्रवादी सरकार' और "फासीवादी" बताया। खान ने अमेरिका को लेकर गुस्सा और दुख जाहिर किया और उस पर पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान दोनों का साथ छोड़ देने का आरोप लगाया। इसके अलावा देश में आंतरिक संघर्ष और असंतोष भी उपजा, वहीं अमेरिका ने ड्रोन हमले भी किए। खान ने कहा कि ''तारीफ'' के बजाय पाकिस्तान के हिस्से सिर्फ इल्जाम आया। खान के शांति कायम करने के बयानों के बावजूद, कई अफगानों ने अफगानिस्तान में तालिबान के पुनरुत्थान के लिए पाकिस्तान को तालिबान से उसके करीबी संबंधों के कारण दोषी ठहराया है।

वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में जम्मू–कश्मीर के मुद्दे पर जागरुकता फैलाने के लिए अपने दूत को अमेरिका भेजा था। अमेरिका पहुंचते ही इमरान खान के इस कश्मीर दूत के सुर बदल गए और वह उल्टा अमेरिका को ही खरी–खरी सुनाने लगा। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में यह शख्स कश्मीर के बजाय पाकिस्तान और अमेरिका में महिलाओं के हालात पर बोलता नजर आया। उन्होंने कहा, देखिए, मानवाधिकार पर भाषण देने वाले देश में महिलाओं की स्थिति को देखिए। पाकिस्तान में महिलाएं उन देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में रह रही हैं जो मानवाधिकारों के चौंपियन होने का ढोंग करते हैं। उन्होंने कहा, बड़ी–बड़ी बातें करने वाले आएं और देखें कि यहां क्या हाल है?

इमरान खान को मिला करारा जवाब

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के खिलाफ जमकर आग उगली है लेकिन जवाब में भारतीय फर्स्ट सेक्रटरी स्नेहा दुबे ने उनकी बखिया उधेड़ डाली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में भाषण के दौरान कश्मीर के मुद्दे पर इमरान ने भारत को घेरने की कोशिश की तो स्नेहा ने उन्हें आईना दिखा डाला। स्नेहा ने याद दिलाया कि सारी दुनिया यह मानती है कि पाकिस्तान की जमीन पर आतंकी पलते भी हैं और खुलेआम उन्हें सपॉर्ट किया जाता है।

ऑस्ट्रेलियाई परमाणु पनडुब्बी डील से बौखलाया चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक नीति को चुनौती देने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच परमाणु पनडुब्बियों को लेकर एक समझौता हुआ है। इसे 'AUKUS डील कहा जा रहा है। चीन क्षेत्र में इन तीन देशों के साथ आने से बौखला गया है। चीन की घबराहट का आलम इस हद तक पहुंच चुका है कि वह अब परमाणु हमले की धमकी दे रहा है। एक वरिष्ठ चीनी राजनयिक ने सुझाव दिया है कि देश को परमाणु हथियारों पर अपनी 'No-First-Use' की नीति को अब छोड़ देना चाहिए।

अपनी नीति को खत्म कर दे चीनः संयुक्त राष्ट्र में पूर्व राजदूत Sha Zukang ने कहा है कि China Arms Control and Disarmament Association Beijing को परमाणु हथियारों को लेकर अपने रुख पर दोबारा विचार और सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के पड़ोस में अपनी सैन्य उपस्थिति को बढ़ा रहा है और नया सैन्य गठबंधन बना रहा है।

लिहाजा चीन को भी अपनी 'No-First-Use' नीति को भी खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अमेरिका चीन को अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी और संभवतः दुश्मन के रूप में देख सकता है।

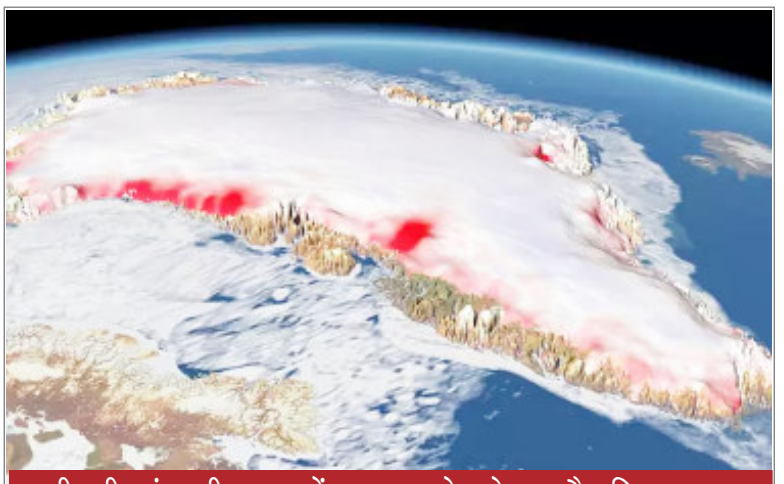

धरती की अंदरूनी परत में हलचल से परेशान वैज्ञानिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। ग्लोबल वॉर्मिंग के असर से धरती के ध्रुवों की बर्फ पिघल रही है। इस जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम तो खराब होता ही है, समुद्र का तापमान भी बढ़ता है। हवा और पानी के अलावा इसका असर धरती के अंदर तक दिखने लगा है। एक स्टडी में बताया गया है कि धरती के क्रस्ट पर ग्लोबल वॉर्मिंग का असर देखा जा रहा है। यहां पर अंदरूनी चट्टानें सतह पर मौजूद ऑक्सिजन और पानी से रिऐक्ट करती हैं। जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में छपे पेपर में सोफी कोल्सन ने बताया है कि बर्फ के पिघलने से धरती के क्रस्ट पर हजारों किलोमीटर दूर तक असर दिखाई देने लगा है।

पुलिस ने 39 जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। ब्रिटेन के जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ताओं ने यहां के सबसे व्यस्त बंदरगाह पोर्ट आफ डोवर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कारण यहां का कार्य कई घंटे तक बाधित रहा। पुलिस ने 39 जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

यह प्रदर्शन इंसुलेट ब्रिटेन संस्था ने किया। संस्था की सरकार से मांग है कि सरकार यहां के दो करोड़ नौ लाख से ज्यादा घरों में जीवाश्म ईंधन को बंद करे और इसका विकल्प उपलब्ध कराए। जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ताओं का यह प्रदर्शन पिछले कुछ सप्ताह से लगातार जारी संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी उठा जलवायु परिवर्तन का मुद्दा है। यह ग्रुप लंदन के एम 25 हाइवे को भी पिछले दो सप्ताह में पांच बार अवरुद्ध कर चुका है। प्रदर्शनकारियों को इससे पहले चेतावनी दे दी गई थी। यातायात मंत्री ग्रांट शेप्स ने कहा है कि रोजमर्रा के व्यापार को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन में ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन लगभग 15 फीसद घरों से ही होता है। जीवाश्म ईंधन का विकल्प सौर, पवन, बायोमास ऊर्जा हो सकते हैं।

हाल ही में यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में जलवायु परिवर्तन समेत कई अन्य मुद्दे पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम हर महाद्वीप में चेतावनी के संकेत देख रहे हैं, दुनिया में हर जगह जलवायु संबंधी आपदाएं बनी हुई हैं। जलवायु वैज्ञानिक हमें बताते हैं कि पेरिस समझौते के 1.5 डिग्री लक्ष्य को जीवित रखने में देर नहीं हुई है, लेकिन आशाएं तेजी से बंद हो रही हैं।

इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को 2005 के बाद से पहली एयर क्ध्वालिटी गाइड लाइन जारी की है, जिसका उद्देश्य हृदय और श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनने वाले प्रमुख प्रदूषकों से होने वाली मौतों को कम करना है।

पाकिस्तान ने खालिस्तान संग मिलाया हाथ, वॉशिंगटन में प्रदर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं। यह बात पाकिस्तान को रास नहीं आ रही है। शनिवार को खबर आई कि वॉशिंगटन में पीएम मोदी के खिलाफ एक पाकिस्तान समर्थित विरोध प्रदर्शन को अंजाम दिया गया। इस विरोध का नेतृत्व पाकिस्तान और खालिस्तान द्वारा किया गया, जिसमें खालिस्तानी झंडे भी लहराए गए। रिपोर्ट दावा कर रही हैं कि विरोध प्रदर्शन में पाकिस्तानी आतंकवादी गुलाम फई और खालिस्तानी नेता पन्नू भी मौजूद थे। ट्विटर पर शेयर किए गए एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों के हाथों में खालिस्तानी झंडों को देखा जा सकता है। इस वक्त पीएम मोदी तीन दिवसीय दौरे के लिए अमेरिका पहुंच चुके हैं। पिछले साल भारत सरकार ने पंजाब में अलगाववाद को बढ़ावा देने के आरोपी खलिस्तान समर्थक संगठन के 9 लोगों को आतंकवादी घोषित कर दिया था। इनमें एक नाम अमेरिका के गुरपतवंत सिंह पन्नू का भी था। इसमें गुरमीत सिंह बग्गा (जर्मनी), हरदीप सिंह निज्जर (कनाडा), परमजीत सिंह पम्मा जैसे नाम भी शामिल थे।